

प्रेषक,

नितेश कुमार झा,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

खेल एवं युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून: दिनांक 2/ जनवरी, 2010

विषय: जिला योजना के अन्तर्गत अनुपूरक भाग के माध्यम से स्वीकृत धनराशि आवंटित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निर्देशक, खेल निदेशालय देहरादून के पत्र संख्या- 3421/ब.पत्र./2009-10/देहरादून/ दिनांक 26 दिसम्बर 2009 तथा शासनादेश संख्या- 386/VI-I/2009-2(7)2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला योजना के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक भाग के माध्यम से अनुदान संख्या-11 में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हेतु रु० 5.53 लाख (रु० पांच लाख तिरपन हजार मात्र) तथा खेलकूद प्रशिक्षण शिविर हेतु रु० 8.28 लाख (रु० आठ लाख अठाईस हजार मात्र) अर्थात् कुल रु० 13.81 लाख (रु० तेरह लाख इक्कासी हजार मात्र) निम्न विवरणानुसार आपके निर्दशन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र० सं०	जनपद का नाम	लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवक सेवाएँ - 00 - 104 - खेलकूद - 91- जिला योजना - 9101-खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन( जिला योजना )-42- अन्य व्यय	लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवक सेवाएँ - 00 - 104 - खेलकूद - 91- जिला योजना - 9102 - खेलकूद प्रशिक्षण शिविर -42- अन्य व्यय
1.	नैनीताल	115	317
2.	उधमसिंहनगर	-	38
3.	जल्मोड़ा	-	51
4.	पिथौरागढ़	102	75
5.	चम्पावत	100	101
6.	देहरादून	-	5
7.	धर्मोली	108	65
8.	हरिद्वार	128	178
	योग	553	828

2. उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि, नित्यव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। वहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों

के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

3. धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय।
4. उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी०एम०-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि को जनपदवार एवं योजनावार आवंटित परिव्यय के अनुसार ही धनराशि व्यय किया जाये। धनराशि व्यय करते समय नियोजन विभाग द्वारा गठित परिव्यय का पूर्ण पालन किया जायेगा।
5. धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के संकथ में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों ने निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
6. इस संकथ में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के उमर्युक्त अनुदान संख्या-11 के जिला योजना के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204 के संगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 769 (P)/XXVII(3)/2010 दिनांक 16 जनवरी 2010 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(नितेश कुमार झा)  
अपर सचिव

पुष्ठांकन संख्या /VI-I/2010 - 2(7) 2008 TC तददिनांकित  
प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा० युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निर्देशक, खेल निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. समस्त करिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिला कीडा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. एन०आई०सी०, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(नितेश कुमार झा)  
अपर सचिव